भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4850
दिनांक 01.04.2025 को उत्तरार्थ

पंचायती राज संस्थाओं के लिए ई-ग्राम स्वराज पोर्टल

†4850. श्री अरविंद धर्मापुरी:

क्या पंचायती राज मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) हेतु बहुभाषी पहुंच का विस्तार करने के लिए 'भाषिणी' सुविधा को ई-ग्रामस्वराज पोर्टल के साथ एकीकृत किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) इस एकीकरण के तहत वर्तमान में उपलब्ध भाषाओं का ब्यौरा क्या है;
(ग) पंचायत स्तरीय शासन और नागरिक भागीदारी पर इस एकीकरण का क्या प्रभाव पड़ा है;
(घ) तेलंगाना में 'भाषिणी' के साथ एकीकृत ई-ग्राम स्वराज पोर्टल का उपयोग करने वाली कुल पंचायतों की जिलावार संख्या सहित तेलंगाना में इसके अंगीकरण का ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या सरकार ने 'भाषिणी' को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के साथ एकीकृत करने के पंचायती राज शासन पर प्रभाव का मूल्यांकन किया है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पंचायती राज राज्य मंत्री

(प्रो.एस.पी.सिंह बघेल)

(क): जी हाँ, सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के लिए बहुभाषी पहुंच बढ़ाने हेतु ई-ग्रामस्वराज पोर्टल के साथ भाषिणी को एकीकृत किया है। इस एकीकरण का उद्देश्य पोर्टल के लिए निर्बाध भाषा अनुवाद प्रदान करना है, जिससे पंचायत पदाधिकारियों और नागरिकों को अपनी पसंद की क्षेत्रीय भाषा में जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा सके। यह पहल समावेशी शासन के लिए एआई-आधारित भाषा प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के सरकार के विजन के अनुरूप है।

(ख): भाषिणी एकीकरण वर्तमान में भाषिणी के एआई-संचालित अनुवाद के माध्यम से भारत की 22 अनुसूचित भाषाओं का अनुवाद करने में सहयोग करता है, जिससे पूरे भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए स्थानीय भाषा तक पहुंच एक वास्तविकता बन गई है।

(ग), (ड) और (च): ई-ग्रामस्वराज के साथ भाषिनी के एकीकरण से भाषा संबंधी बाधाओं को कम करके और पहुंच को बढ़ाकर पंचायत-स्तरीय शासन में सुधार की उम्मीद है, लेकिन इसके विशिष्ट प्रभाव का औपचारिक रूप से मूल्यांकन किया जाना अभी बाकी है। हालाँकि, 27 मार्च 2025 तक, पिछले 30 दिनों में, ई-ग्रामस्वराज पोर्टल पर भाषिणी अनुवाद प्लगइन ने लगभग 0.638 करोड़ अनुवादों की सुविधा प्रदान की है, और पिछले छह महीनों में, यह संख्या 8.63 करोड़ अनुवादों तक पहुँच गई है, जो भाषिणी को पूर्ण रूप से अपनाने और इसका उपयोग करने को दर्शाता है।
(घ): अभी तक भाषिणी एकीकरण अभी भी अपने शुरुआती चरण में है और मंत्रालय ऐसी किसी जानकारी का रखरखाव नहीं करता है।

***